केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विद्यालय पत्रिका

Vidyalaya Patrika

2026–27

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय आई.टी.बी.पी. भानू

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA ITBP BHANU

विषय-सूची | CONTENTS

01 संपादक मंडल | Editorial Board

02 विद्यालय स्टाफ | School Staff

03 शैक्षणिक उपलब्धियाँ | Academic Achievements

04 अध्यक्ष संदेश | Chairman's Message

05 प्राचार्या संदेश | Principal's Message

06 हिंदी विभाग | Hindi Department

07 अंग्रेजी विभाग | English Department

08 संस्कृत विभाग | Sanskrit Department

09 विद्यालय की गतिविधियाँ | School Activities

10 धन्यवाद | Thank You

संपादक मंडल

श्रीमती मोनिका, प्राचार्या
श्रीमती जतिंद्र कौर (स्नातकोत्तर अध्यापिका, हिंदी)
श्रीमती सुमन परशीरा (स्नातकोत्तर अध्यापिका, अंग्रेजी)
श्रीमती अंजू सिंह (प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका, अंग्रेजी)
श्रीमती संतोष रानी (प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका, संस्कृत)

विद्यालय स्टाफ

पहली पंक्ति (बाएँ से दाएँ)

श्रीमती सुमन परशीरा (स्नातकोत्तर शिक्षिका,अंग्रेजी) श्रीमती रेनू बाला अन्ग्रिश (प्राथमिक शिक्षिका) श्री रंजन कुमार(प्राथमिक शिक्षक) श्रीमती आशिमा गुप्ता(स्नातकोत्तर शिक्षिका,जीव विज्ञान) श्रीमती मोनिका कौशिक (प्राचार्या) श्रीमती जतिंद्र कौर(स्नातकोत्तर शिक्षिका,हिंदी) श्रीमती पुष्पा यादव (स्नातकोत्तर शिक्षिका,गणित) श्रीमती रूचि जैन(स्नातकोत्तर शिक्षिका,संगणक विज्ञान)

दूसरी पंक्ति (बाएँ से दाएँ)

श्रीमती गरिमा भट्ट(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,गणित) श्रीमती पूनम जिनागल (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,सामाजिक अध्ययन) श्रीमती अंजू सिंह(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,अंग्रेजी) श्रीमती वैशाली (प्राथमिक शिक्षिका) श्रीमती संतोष रानी(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,संस्कृत) श्रीमती रेनू यादव (प्राथमिक शिक्षिका) श्रीमती रमा अतुल चौबे(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,कला) याक्षी भाटिया (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा) श्री आर एस वर्मा(स्नातकोत्तर शिक्षक,हिंदी) श्री पिला सिंह(स्नातकोत्तर शिक्षक,भौतिकी विज्ञान) श्री उमेश कुमार(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक,कार्य अनुभव) श्री लाभ सिंह(संगीत शिक्षक) श्री मलकीत (प्राथमिक शिक्षक)

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

Toppers Class XII • 2025–26

Toppers Class X • 2025–26

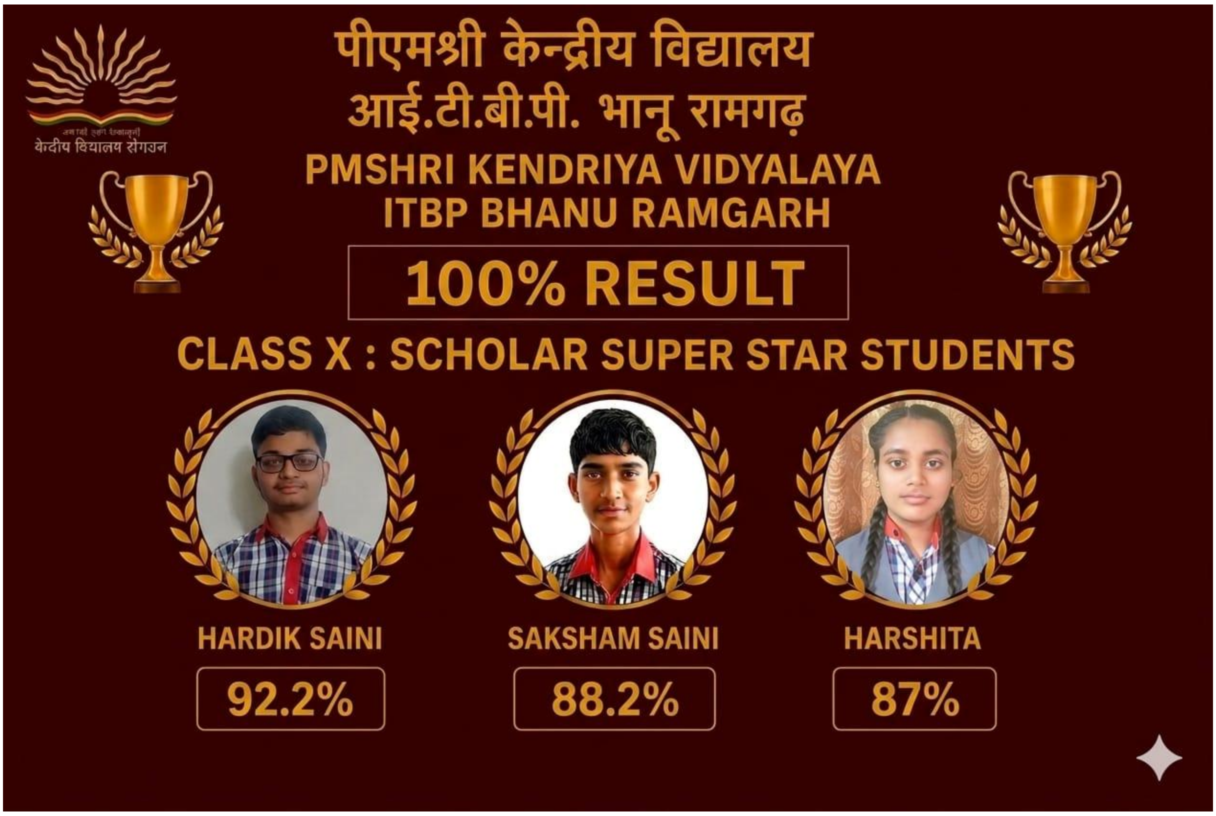

उपायुक्त का संदेश

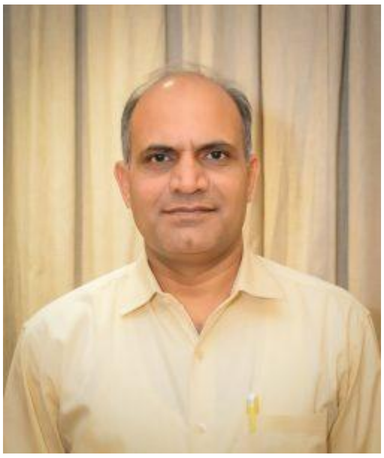

श्री चंद्रशेखर आज़ाद
उपायुक्त , केंद्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग

संदेश

नवाचार और रचनात्मकता 21वीं सदी की संपत्ति है",इस विचारधारा और अदम्य इच्छा के साथ केंद्रीय विद्यालय संगठन उत्कृष्टता के शिखर की ओर देश की शिक्षा प्रणाली का नेतृत्व करने के लिए एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। यह अपने हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करता है और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करता है। विद्यालय शिक्षण -अधिगम में सहायता के लिए उन्नत तकनीक के साथ प्रतिभा निर्माण का एक मंच है। इसके अलावा, हमारा पाठ्यक्रम छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति को और अधिक उन्नत करने के लिए योजनापूर्वक तैयार किया गया है। हमारे छात्र-छात्राओं को आधुनिक दुनिया के अग्रणी के रूप में तैयार करने के लिए मित्रता और मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा का वातावरण लगातार बनाए रखा जाता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम छात्रों की शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सदैव कटिबद्ध है। शिक्षक विद्यालय की सफलता के लिए रोडमैप बनाते हैं। वे लगातार बदलते शैक्षिक परिदृश्य की चुनौतियों के लिए खुद को आसानी से अनुकूलित करते हैं और सर्वोत्तम और अभिनव प्रथाओं के साथ खुद को अद्यतन करते रहते हैं। वे वही शिक्षक हैं जो बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नवाचार, निर्माण और आकांक्षा करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं और प्रेरित करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के उद्देश्यों को साकार करने में शिक्षकों की भूमिका अविभाज्य है। हम के.वि.सं. गुरुग्राम क्षेत्र के तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एनईपी -2020 के सभी पहलुओं के व्यापक कार्यान्वयन के लिए तत्पर हैं। विविधता में एकता केंद्रीय विद्यालयों की विशिष्ट पहचान है, जहाँ विभिन्नता से युक्त परिवेश में बच्चे अपनी पाठ्यपुस्तकों से आगे सीखते हैं। हमारा लक्ष्य 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक मूल्यों और जीवन कौशल को विकसित करना है। उत्कृष्टता के इस अभियान में, केंद्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग को विचार और कर्तव्य दोनों का मिश्रण प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हमारे छात्रों को समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और सदैव प्रयत्नशील बने रहेंगे।

जय हिंद

श्री चंद्रशेखर आज़ाद
उपायुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग

अध्यक्ष संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भानू सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय पत्रिका का नया संस्करण प्रकाशित कर रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के लिए अपने सृजनात्मक और नवीन विचारों को अभिव्यक्त करने तथा अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक अच्छा मंच है। यह पत्रिका विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों को उजागर करने तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सामंजस्यपूर्ण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों को बल देने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। पाठ्येतर गतिविधियां विद्यार्थियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सृजनात्मक लेखन निश्चित रूप से शिक्षा में पूर्णता की ओर लेकर जाता है तथा युवा लेखकों को खोजकर्ता बनने में सक्षम बनाता है। मैं प्राचार्या,

स्टाफ और छात्रों के प्रयास की सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान के लिए गौरव का निर्माण करेगा तथा सभी को विद्यार्थियों की गतिशील गतिविधि तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता से अवगत कराएगा।

श्री रमा कान्त शर्मा, (पी.एम.जी.)

अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति

पीएम श्री के.वि. आई.टी.बी.पी. भानू

प्राचार्या संदेश

मुझे सत्र 2024-25 की विद्यालय पत्रिका का वर्तमान स्वरूप प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों को रचनात्मक तरीके से अपने विचार और भावनाएं व्यक्त करने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है।

वैश्वीकरण के इस क्षेत्र में यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी स्वयं को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करना सीखें तथा सृजनात्मकता के साथ स्कूल पत्रिका के लिए लिखना सीखें| यह एक ऐसी गतिविधि है, जो सत्र के दौरान स्कूल की गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रस्तुत करती है।

मैं इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। मैं उपायुक्त महोदय (केन्द्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग) को भी उनके निरंतर सहयोगऔर बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं इस पत्रिका को प्रकाशित करने में योगदान देने वाले छात्रों और शिक्षकों को भी बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ कि वे आगे बढ़ते रहें और प्रयास करते रहें।

श्रीमती मोनिका कौशिक

प्राचार्या

पीएम श्री के.वि. आई.टी.बी.पी.भानू

हिंदी विभाग | HINDI DEPARTMENT

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए, सही तरह से चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता, जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे, सभी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथप्रदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता।
कभी है शांत, कभी है धीर, स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा काश मैं उन जैसा बन पाती
जो मेरे शिक्षक कहलाते।

नाम- प्रवीन, कक्षा-दसवीं

पानी और धूप

अभी-अभी थी धूप, बरसने लगा कहां से यह पानी
किसने फोड़े घड़े बदल के, किसने की इतनी शैतानी।
सूरज ने क्यों बंद कर लिया,अपने घर का दरवाजा
उसकी मां ने भी क्या उसको,बुला लिया कहकर आजा।
जोर-जोर से गरज रहे हैं बादल हैं किसके काका
किसको डांट रहे हैं,किसने कहना नहीं सुना है मां का।

नाम-हर्षिता, कक्षा-दसवीं

आजादी

पंछी है कैद अगर,तो उड़ने में कर मदद तू,
रात है काली अगर,दिया जलाकर रोशन कर तू।
बीत गए कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझ कर,
सुलझा मन के भाव तू।
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा, सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी, आगे बढ़ विजयी राह पर।
उन वीरों ने क्या पाया। अगर तू अब भी डर में खोया।
उठ जा तू,छू ले आसमान आजादी पर है सबका हक।

नाम-कनिष्का, कक्षा-दसवीं

कल एक झलक जिंदगी को दिखा

कल एक झलक जिंदगी को देखा,वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूंढा उसे इधर-उधर, वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी,
एक अरसे के बाद आया मुझे करार,वो सहला के मुझे सुला रही थी।
मैंने पूछ लिया- क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
हँसी और बोली-मैं जिंदगी हूँ पगले,तुझे जीना सीखा रही थी।

नाम-अवनीत कौर, कक्षा-नौवीं

मेरा देश

ये मेरा देश सबसे महान सदा करना इसका आदर,
कभी ना करना इसका अपमान।
हमेशा इसे ध्यान में रखते हुए आगे सदा बढ़ना तुम।
पढ़ लिख कर तुम होना कामयाब,
कभी न होने देना इस देश का अपमान।
हमेशा सिर उठाकर चलना और कहना यह मेरा देश महान।
इज्जत करना तुम सदा इसकी
कभी न करना इसका अपमान,
तभी तो बनेगा, बनेगा ये देश हमारा महान।

नाम-कनिका, कक्षा-सातवीं

पेड़

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,हरा-भरा जीवन बनाओ।
छाया यह हमको है देते, फल हमको है देते।
बाढ़ से हमको बचाते है,प्रदूषण दूर हटाते है।
हमने यह ठाना है,हमें भी पेड़ लगाना है।
पेड़-पौधे हमारे है,यह हम सबके प्यारे है।
सर्दी-गर्मी सहते है,नहीं कभी कुछ कहते है।
आओ इन्हें हम प्यार करें,हम सब मिलकर हरा-भरा संसार करें।

नाम-दीक्षा, कक्षा-छठी

हिंदी मेरी पहचान

मिसरी से भी मीठी है वो मेरी हिंदी भाषा है।
दिल से दिल को जोड़े जो जिससे जुड़ी हर आशा है।
मिसरी से भी मीठी है वो मेरी हिंदी भाषा है।
अंग्रेजी भी पढ़ता हँ मैं पर लगे ना उसमें मेरा ध्यान।
हिंदी ही मेरी पहचान, हिंदी ही मेरी पहचान।
हिंदी ही मेरी मुस्कान, हिंदी ही मेरी मुस्कान।
जो भूल रहे हैं इस भाषा को होती बड़ी निराशा है।
मिसरी से भी मीठी है जो वो मेरी हिंदी भाषा है।
लोरी सुनाये माँ हिंदी में भजन हिंदी में गाती है।
प्यार मोहब्बत भरा है जिसमें मीठे गीत सुनाती है।
फले फूले है ये आगे बढ़े मेरे दिल की यही अभिलाषा है।
मिश्री से भी मीठी है जो वो मेरी हिंदी भाषा है।
वो मेरी हिंदी भाषा है
अमोलदीप सिंह, कक्षा-नौवीं

केंद्रीय विद्यालय संगठन

भारत में शिक्षा ने अपना, एक नया रूप बनाया है

केंद्रीय विद्यालय ने इसमें, अपना खूब नाम कमाया है।
सन् 1963 में शिक्षा ने,केंद्रीय विद्यालय के रूप में
एक नया जन्म लिया शिक्षा के इस मैदान में,
केंद्रीय विद्यालय संगठन ने पूरा साथ दिया।
1200 से अधिक आज हैं केंद्रीय विद्यालयों की गिनती,
शिक्षा का है बहुत बड़ा महत्व
इसे सुरक्षित बनाए रखो यही है मेरी आपसे विनती।
वर्तमान भारत के प्रत्येक जिले में केंद्रीय विद्यालय स्थित है,
संभागों की संख्या पच्चीस
जैसे दिल्ली और मुंबई संभाग भारत में प्रसिद्ध है।
चाहे संभागों की संख्या आज भारत में हुई अनेक,
लेकिन केंद्रीय विद्यालय संगठन का,
" तत्त्वं पूषन् अपावृणु" नारा सभी का है एक।
जीवन में है आवश्यक स्वास्थ्य और खेल-कूद,
केंद्रीय विद्यालयों में यह सब होते हैं मौजूद।
नाम -तानिया, कक्षा-छठी

आज का शिष्य

नहीं सुहाती चोर को कभी चाँदनी रात,
आज के शिष्य को भली न लगती बात।।
भली न लगती बात पढ़ने-लिखने की,
क्लासवर्क की या होमवर्क की।।
कक्षा में जा बैठे जैसे कोई हज़ारी,
तीन पीरियड बाद फिर भागने की तैयारी।।
कपड़े की क्वालिटी या हो ब्यूटीशियन की दुकान,
मोबाइल के हर हिस्से की उसे है भलीभाँति पहचान।।
सुधारना होगा हमें ऐसे शिष्य को,
क्योंकि वही बनाएगा देश के भविष्य को।
तभी मिलेगी उसे पहचान,
देश का बढ़ेगा तभी सम्मान।।

नाम-साक्षी, कक्षा-बारहवीं

परिवर्तन- जीवन की सच्चाई

'परिवर्तन जीवन की सच्चाई' ये कथन सत्य है। अगर हमें ऐसी जिंदगी में अव्वल होकर अच्छी जिंदगी जीनी है तो अपनी जिंदगी के विभिन्न और विचित्र परिवर्तनों से जुड़ना और उन्हें अनुभव करना हमारे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। हमारे जीवन में कई सुख-दुख के पल हमेशा आते रहे और ऐसे परिवर्तनों में हमें अपनी सोच से काम लेना चाहिए, कोई गलत कदम नहीं उठाना चाहिए। परिवर्तन हमारे जीवन में काफी मायने रखता है और हमें जीना सिखाता है। जो मनुष्य समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन न ला सके वह जीवन में तरक्की नहीं कर सकता, सफल नहीं हो सकता। अतः परिवर्तन सचमुच हमारे जीवन की सच्चाई है।

नाम-खुशी, कक्षा-दसवीं

जीवन की अभिलाषा

मनुष्य को शरीर इसलिए मिला है कि वह अपने समय तथा जीवन को सफल बना सके मनुष्य को अपनी सारी जिम्मेदारियों को समझते हुए उन जिम्मेदारियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, जिसके लिए उसे मनुष्य शरीर मिला है, अगर हम अपने जीवन में सचेत होकर चलें कि ' यह जो जीवनहै इसमें मुझे आनंद ही मिलेगा' कड़वेपन के लिए तो सारी जिंदगी पड़ी है, परंतु बेहतर यही होगा कि हम यह समय मिठास से, आनंद से और समझ से बिताएं। यही हमारे लिए अच्छा है और हमें हमेशा खुश रहना चाहिए।

नाम-सुशीला,कक्षा-दसवीं

लाल गुलाब

लाल गुलाब को फूलों का राजा भी कहा जाता है। इसकी 200 से अधिक जातियॉं है। यह कई रंगों का होता है। इसका प्रयोग पूजा, सजावट और औषधि के रूप में किया जाता है। भारत में 22 फरवरी को गुलाब दिवस घोषित किया गया है।

नाम-शानवी,कक्षा-छठी

शुरूआत करके तो देखिए

निंदा करने वाले तो खूब मिलते हैं,तारीफ़ करने वाले बनकर तो देखिए।
संवेदनाओं से जब जुड़ जाएँगे, तो सबके मददगार बन जाएँगे।
दिल का खुला होना अच्छा है, दिल से बुराई निकाल कर तो देखिए।
अपने काम को शौक बनाइए,सफलता की सीढ़ी चढ़ जाइए।
ऐसी चीजें हासिल हो जाएंगी,कि जिन्दगी भर काम आएंगी।
कोई तो गुरु मन्त्र दीजिए,यदि कोई बात मनवानी है तो,
सबसे मीठी बात कीजिए। सब काम आसान हो जाएगा,
शुरूआत करके तो देखिए।

श्रीमती जतिंद्र कौर (स्नातकोत्तर अध्यापिका,हिंदी)

ज्ञान का जादू

बस्ता अपना आज सजा लो,
मन में एक उमंग जगा लो।
सूरज की किरणें हैं आई,
नई सुबह ने अलख जगाई।
स्कूल का रस्ता, खुशियों की राह,
ज्ञान का जादू, है एक पनाह।
बंद किताब जब खुलती है,

पूरी दुनिया इसमें सिमटती है।
देखो यहाँ है अक्षरों का खेल,
शब्दों का है अद्‌भुत मेल।
'अ' से अनार और 'आ' से आम,
सीखते-सीखते बने हम महान।
ज्ञान का जादू ऐसा न्यारा,
चमका दे किस्मत का सितारा।
जो आज है छोटा सा एक बीज,
कल बनेगा वो बरगद की सीख।
गिनती सिखाए जीवन की राह,
जोड़-घटाव में है बुद्धि की थाह।
सूरज क्यों निकलता, पंछी क्यों गाते,
स्कूल जाकर हम सब हैं पाते।
यह जादू केवल शब्दों का नहीं,
यह साहस है, हिम्मत का भी।
जो डर है मन में, उसे मिटाओ,
ज्ञान के इस जादू को अपनाओ।
तुम नन्हे हाथ, बड़े हैं काम,
ज्ञान की शक्ति से बढ़ाओ नाम।
जो सीखेगा वो ही आगे बढ़ेगा,
अपनी तक़दीर खुद ही गढ़ेगा।
चलो चलें अब विद्या के धाम,
जहाँ ज्ञान का है पावन काम।
ज्ञान का जादू साथ निभाएगा,
हर राह को रोशन कर जाएगा।

श्रीमती अंजू सिंह(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,अंग्रेजी)

रिहाई

आज फिर से वो गुजरा जमाना याद आ गया,
वो बेवजह हँसना, मुस्कुराना याद आ गया|
वो फुर्सत के पल तो लगता है आएँगे नहीं जैसे,
लगता है कर्ज ले रखें हैं भारी जैसे|

अब चुका रहें हैं बारी-बारी ऐसे|
कर्ज का तो पता नहीं, कब तक चुका पाएँगे,
पर अब लगता है जिन्दगी के कर्ज में
और डूबते ही जाएँगे|
कर्ज का तो पता नहीं, कब तक चुका पाएँगे,
पर अब लगता है जिन्दगी के कर्ज में
और डूबते ही जाएँगे|
रिहाई होगी नहीं न कर्ज, न ही कर्जदारों से,
जिन्दगी सारी यूँही निकलती जाएगी,
रिहाई की दरकार से

श्रीमती अंजू सिंह(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका,अंग्रेजी)

एक शिक्षक की नज़र से: शारीरिक शिक्षा को समान महत्व क्यों मिलना चाहिए

एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक होने के नाते, मैं प्रतिदिन देखती हूँ कि खेल और व्यायाम बच्चों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाते हैं। फिर भी, दुख की बात है कि शारीरिक शिक्षा को अक्सर अन्य विषयों जितना महत्व नहीं दिया जाता।

जहाँ गणित, विज्ञान और भाषा बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, वहीं शारीरिक शिक्षा उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की नींव रखती है। मैदान में खेलते समय बच्चे टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व, धैर्य और खेल भावना जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखते हैं—जो किसी भी किताब में नहीं मिलते।

मैंने अनेक बच्चों को देखा है कि नियमित खेलकूद उनके आत्मविश्वास, स्वास्थ्य और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए मेरा मानना है कि शारीरिक शिक्षा को भी उसी गंभीरता और सम्मान के साथ पढ़ाया जाए, जैसा अन्य विषयों को दिया जाता है।

एक शिक्षक के रूप में, मैं सभी अभिभावकों और विद्यालयों से यही अपील करती हूँ कि हम बच्चों को सम्पूर्ण विकास का अवसर दें—क्योंकि एक स्वस्थ, सक्रिय बच्चा ही भविष्य में सफल नागरिक बन सकता है।

याक्शी भाटिया(टीजीटी शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा),

संजय कुमार

दो गज की दूरी

दो गज की ये दूरी, जीवन के लिए जरुरी
मोदी जी का नारा है, कोरोना दुश्मन हमारा है.
उनका सन्देश अपनाएंगे, कोरोना को हम हराएंगे.
घर में रहना मजबूरी, पर जीवन के लिए जरुरी
घर से बाहर जब भी जाना, मास्क जरुर लगाना है.
काम हो चाहे कितना जरुरी, रहनी चाहिए दो गज दूरी.
ड्यूटी पर भी जाना है, कर्तव्य हमें निभाना है.
व्याधि को हराएंगे, आरोग्य सेतु अपनाएंगे.
डाक्टर्स ने भी माना है, बाहर का नहीं खाना है.
बच्चे और बुजुर्गो का, बस घर ही रहे ठिकाना है.
बाहर जितनी दूरी ज़रूरी, घर में साबुन उतना जरुरी.
हाथ, पैर, मुँह धोना है, काढ़ा पीकर सोना है.
सरकार ने हमें जो बचाया है, उसे ऐसे नही गवांना है.
"इलाज से परहेज अच्छा" सबको यह समझाना है.
जब तक नही आती दवाई,तब तक नही कोई ढिलाई,
खुद भी बचकर रहना है, औरों को भी बचाना है.
जान है तो जहान है, कमाई नहीं उतनी जरुरी,
दो गज की यह दूरी, जीवन के लिए जरुरी
महामारी का दौर है, संकट तो चहुँ ओर है,
हौंसला ग़र मन में हो, निशा के आगे भोर है.
नया सवेरा आएगा, जन-जन फिर मुस्काएगा
"साना" ने ये जाना है, सख्ती है बहुत जरुरी,
दो गज ये दूरी, जीवन के लिए ज़रूरी.

प्र. स्नातक शिक्षक

सामाजिक विज्ञान
केंद्रीय विद्यालय सेक्टर ३१

बेटियों से ही देश की पहचान

न सिर का ये बोझ हैं,
उज्ज्वल भारत की ये खोज हैं।
बढ़ते हिंद की हैं ये पहचान,
बेटियों से ही है देश का मान।
कितने अभागे हैं वो लोग,
जो बेटियों की आवाज़ दबाते हैं,
पढ़ने-लिखने की उम्र में भी
उन्हें शोषण का शिकार बनाते हैं।
जिन आँखों में सपने होने थे,
क्यों उनमें आँसू आते हैं?

जिन हाथों में किताबें होनी थीं,
वो हाथ मदद क्यों चाहते हैं?
ये सब देखकर दिल मेरा
बेहद शोक मनाता है,
अगर देनी हैं इतनी कठिनाइयाँ,
तो भगवान बेटी क्यों बनाता है?
फिर मन कहता है—नहीं!
बेटी तो ईश्वर का वरदान है,
कमी बेटी में नहीं कहीं,
दोषी तो ये समाज है।
शिक्षित समाज के लोगों,
तुमसे मेरी एक अपील है,
जिस पर टिका है घर तुम्हारा,
वो बेटी ही उसकी नींव है।
मत रोको उसके कदमों को,
मत बाँधो उसकी उड़ान,
पढ़ने दो, आगे बढ़ने दो,
बनने दो उसकी अपनी पहचान।
आओ मिलकर प्रण ये लें,
हर बेटी का हो सम्मान।
न बेटा बड़ा, न बेटी कम,
दोनों से है हिंदुस्तान।
जिस दिन मिटेगा ये भेदभाव,
और मिलेगा सबको सम्मान,
उस दिन गर्व से कहेंगे हम—
**बेटा-बेटी एक समान,
तभी बनेगा भारत महान।**
— अंकित छिल्लर

अंग्रेजी विभाग | ENGLISH DEPARTMENT

The Magic of Learning:

Every Small Step Creates a Bright Future "The future belongs to those who believe in the beauty of their dreams." — Eleanor Roosevelt Every child carries a spark of greatness within. Some shine through books, some through kindness, some through creativity, and some through courage. The real magic begins when we discover our strengths and never stop learning. Learning is not just about scoring high marks or standing first in class. It is about becoming a better person every single day. Every lesson we study teaches us something valuable—not only from textbooks but also from our mistakes, experiences, and the people around us. A failed attempt is never the end; it is simply another chance to grow stronger and wiser. A classroom is more than four walls. It is a place where dreams are born, friendships blossom, and confidence grows. Our teachers are like guiding stars who show us the right path, while our parents provide the wings that help us fly higher. Their encouragement reminds us that success is built on discipline, honesty, hard work, and patience. In today's fast-moving world, knowledge is our greatest strength. Reading books opens the doors to imagination. Asking questions fills our minds with curiosity. Helping others fills our hearts with kindness. Every good habit we develop today becomes the foundation of a successful tomorrow. The journey of education is not a race against others; it is a journey of becoming the best version of ourselves. True winners are not those who never fail, but those who never give up. Great achievements always begin with small, determined steps taken every day. As students, we have the power to shape the future with our thoughts, actions, and dreams. Let us promise to learn with joy, respect every teacher, value every opportunity, protect our environment, and spread kindness wherever we go. A positive attitude, a curious mind, and a caring heart can truly change the world. Remember: Every page you read, every question you ask, every challenge you overcome, and every act of kindness you perform brings you one step closer to becoming the person you are meant to be. Let your dreams be bigger than your fears, your efforts stronger than your excuses, and your character brighter than your success. Because today's learners are tomorrow's leaders, innovators, and nation-builders.

By: Aayana Deswal Class: 9

THE ENGLISH FAMILY

Let me introduce you to English family. The dignified head of the family is called Mr. Noun. Like every English gentleman he is accompanied by an efficient wife. She is always there whenever he needs her and her name is Verb. The couple has several children. Each has definite character. Their daughter, Adjective and the youngest son, Adverb are mama’s pet.

But the eldest son,Pronoun is very responsible. He often takes his father’s place when noun is busy elsewhere. Preposition, is their maid, who stays with them. She loves them and maintains good relationship between all the members of the family. They also have a dear friend, Conjunction. He visits them and often joins the family in all activities. Finally, they have a crancky uncle, Interjection. He is very emotional and sensitive. He can live forever in exclamation. And all of them, live happy in a house called Parts of Speech.

Name – Yuvi, Class-XII

India is the Best

Our's is a land of sages,
Known for bravery for ages.
None can compete with it
Its culture none can beat it in beauty.
Whatever caste or religion,
All live here in unison.
With rivers, sweet fountains,
It's a land of high mountains.
Its green forests are pretty,
And are source of prosperity,
Come, let's work hard for its
Glory and safety, be its guard.

Name – KUSHI, Class – XII

Green forests Green forests breathe fresh harmonyGentle rivers kiss silent stonesSunlight dances on dew dropsSoft breeze sings through tall treesBlue skies cradle drifting cloudsBirds paint songs across horizonsWildflowers bloom in golden meadowsMountains stand guard over valleysRaindrops whisper secrets to earthNature smiles in quiet graceEvening shadows hug sleepy groundStars shimmer above peaceful world

Name-Raj kumar Singh, Class-X

An Old Man in the Village

An old man lived in the village. He was one of the most unfortunate people in the world. The whole village was tired of him. He was always gloomy. He constantly complained and was always in a bad mood.

The longer he lived the more poisonous were his words. People avoided him, because his misfortune became contagious. It was even unnatural and insulting to be happy next to him.

He created the feeling of unhappiness in others.

But one day, when he turned eighty years old, an incredible thing happened. Instantly everyone started hearing the rumour:

—An Old Man is happy today, he doesn't complain about anything, smiles, and even his face is freshened up.

The whole village gathered together. The old man was asked: Villager: What happened to you?

—Nothing special. Eighty years I've been chasing happiness, and it was useless. And then I decided to live without happiness and just enjoy life. That's why I'm happy now. ‖ – An Old Man

Moral of the story: Don't chase happiness. Enjoy your life.

he Magic of "Trying Again"

I sat to tie my laces tight,

I tried to make them look just right.
They came undone, a messy knot,
I felt like stopping on the spot.
My fingers fumbled, loose and slow,
I didn't know which way to go.
But then I took a breath so deep,
And shook away the "don't-do" sleep.
I remembered that the tallest tree,
Was once a tiny seed like me.
It didn't grow up in a day,
It took its time along the way.
So I tried again, with steady care,
With patience hanging in the air.
I looped the string and pulled it through,
I tried the left, I tried the new!
And then—Hooray!—a perfect bow,
I did it! Now I'm in the know.
It doesn't matter if you fall,
Or if you feel a little small.
For every stumble, slip, and mistake,
Is just a step for you to take.
The secret that you need to hold,
Is to be brave and to be bold.
So keep on trying, don't you stop,
Until you reach the very top.
For magic lives inside your mind,
The more you try, the more you'll find.
Yes, trying once is good to see,
But "trying again" is the key to be!

MS ANJU SINGH (TGT ENG)

Rise, Young Soul — Grow, Feel and Flourish*

Don't hide your tears, young soul,
For in their depths, your truth is whole.
You think you've grown up, too fast,
But vulnerability will forever last.
Being strong doesn't mean you can't feel,
It means you face your emotions, and they're real.
Don't let the world steal your gentle heart,
For in its kindness, your true self will start.

You're not alone in this chaotic ride,
We all stumble, we all hide.
But it's okay to break, to bend,
For in those moments, you'll find your true strength.
So let your tears fall, let your emotions rise,
For in their rawness, you'll discover your skies.
You're still a boy, still growing, still finding your way,
And that's okay—there's a new lesson in every day.
Don't fear the questions that fill your mind,
For answers are treasures that take time to find.
Make mistakes, learn lessons, and start once more,
For every new step opens another door.
As your teacher, I wish you courage to dream,
To follow your heart and believe in its gleam.
Keep learning, keep wondering, keep reaching afar,
For you have within you the light of a star.
The world may be noisy, the journey unsure,
But trust in yourself—you are capable and pure.
Walk with compassion, let kindness be your guide,
And carry your dreams with confidence and pride.
These are the moments to find freedom,
To learn, explore and grow.
Rise up, young fellow,
And just go with the flow.
And wherever life's journey may lead you someday,
Remember your teacher is cheering you on the way.
Stay curious, stay humble, and let your spirit glow—
There is so much to discover, so much more to know.

By: SUMAN PARSHEERA

PGT ENGLISH

Common Proverbs with Meaning and Examples

All that glitters is not gold

Meaning: Something might not be as valuable as it seems to be

Example: Radhika bought an attractive bracelet recently, but it broke in less than a week. All that glitters is not gold.

A picture is worth a thousand words

Meaning: Explaining something is easier through a picture than by words

Example: It’s easier to learn from pictures than only text, since a picture is worth a thousand words.

All good things come to an end

Meaning: Nothing great lasts forever

Example: It was a fantastic vacation, but all good things come to an end.

Beggars can't be choosers

Meaning: People dependent on others must be content with what is offered to them

Example: People who depend on the generosity of others can't pick & choose things as per their liking. They've to accept what is given to them.

A journey of a thousand miles begins with a single step

Meaning: It is necessary to take the first step to reach your goal

Example: I feel overwhelmed with all the tasks I have to finish, but I have to start with something since a journey of a thousand miles begins with a single step.

A bird in the hand is worth two in the bush

Meaning: What you have is better than what you might get

Example: I think I'll sell my car at the offered price instead of waiting for something higher. After all, a bird in hand is worth two in the bush.

Actions speak louder than words

Meaning: What someone does means more than what they say they will do

Example: She never bragged about her grades but secured the second position in the board exams. Truly, actions speak louder than words.

An apple a day keeps the doctor away

Meaning: Eating an apple daily keeps you healthy

Example: You won't fall ill if you eat the fruits, an apple a day keeps the doctor away.

An idle brain is the devil's workshop

Meaning: Evil thoughts come to us easily when we are idle

Example: You should give your daughter something to do in the afternoon, after all an idle brain is the devil's workshop.

10. Better safe than sorry

Meaning: It is better to take precautions than to regret later

Example: Don't ride your bike without wearing a helmet. It is better to be safe than sorry.

Name-SHUBHANGI RATHORE,Class-XII

CONQUERING THE FEAR OF MATHS

GARIMA BHATT

“Mathematics is the most beautiful and most powerful creation of the human spirit.” – Stefan Banach

Mathematics, for many students, is no less than an enemy. Many students feel sleepy as soon as they open the Mathematics book. Their score in mathematics is very less. They just give up saying that they can't do it. Unfortunately, math avoidance leads to less competency, exposure and math practice, leaving students more anxious and mathematically unprepared to realize learning goals. This results in Maths phobia.

So, how can you help your child who has a fear of maths? "Always do what you are afraid to do," said the American philosopher, Ralph W. Emerson. And, that is exactly what you should

encourage your child to do - not to shy away from maths but rather, to embrace it. "The only way to learn mathematics is to do mathematics." – Paul Halmos

Here are ten tips, based on inputs from Dr Robinson Thamburaj, Professor, Department of Mathematics, Madras Christian College, to help your child overcome Maths phobia.

WHAT PARENTS AND TEACHERS CAN DO

1. Positive Attitude: 'I'm not good in Maths; I am stupid'. Such thoughts can hurt your child's self-esteem and confidence. Help your child understand that everyone has different abilities and he should be proud of his other accomplishments. Some extra effort from him and a little additional help will certainly help him do well in the subject.

2.Face It Squarely: Give time to your child. Sit with him and discuss her fear of maths. Help him accept the fact that he may not be enjoying the same comfort level with maths as he does with other subjects. Accepting the problem is the first step towards tackling it.

3. Encourage More Practice: Repeatedly working on maths problems helps improve mathematical skills. Therefore, encourage your child to solve maths problems every day. Set a time table for this practice. Investing extra time and effort will bring about a great change in both attitude and performance.

4. Turn Maths Simple And Funfilled: Simplify the learning method. Even complicated problems can be made easy by breaking them down into smaller, simpler steps. Involve your child in maths games,puzzles and apps to make the process an enjoyable experience.

5. Think Maths As A Creative Subject: The general notion is that maths is not creative. Encourage your child to experiment with different ways of solving a problem. Introduce her to open-ended problems such as figuring out how many ways you can make a '5' by using the numbers 0 through 9 and '+' and '-' operations.

6. Connect With Daily Life: Try to integrate maths into your child's daily life, to make it more real and meaningful. When you go shopping, let your child pay for the purchases and collect the change. Reinforce the concept of fractions through slicing and sharing pizza. Cook together and get your child to measure portions for the recipe. Skip count while playing rope. Teach geometrical properties while drawing traditional patterns of Kolam or Rangoli and show beauty of Maths in Nature like Symmetry,GOLDEN RATIO, SPIRALS,PATTERNS ETC.

Encourage Cooperative Learning: Pair-work and group-work to solve maths problems

can be effective ways of reinforcing concepts learnt.

Find Out The Root Cause: It is essential to identify the root cause of the fear of maths and to look out for maths anxiety symptoms. Could it be that your child's early foundation in maths was weak? Sometimes, it just may be a fear of tests that causes Mathophobia. So, try not to place too much emphasis on tests. Also, avoid timed tests, as a focus on speed only adds to the anxiety and tension in these children.

9. Give Good Reasons To Study Maths: Help your child understand that for filing income tax returns or managing home budgets, she will need the help of numbers. A large percentage of jobs in the future will require maths skills. A strong foundation in the subject will help develop both logical thinking and problem-solving skills. Such motivation will lead to positive results.

10. Avoid Negative Comments: Avoid making statements like, 'Maths is so Hard', or 'you can’t do this'.Don’t compare your child with others or don’t discouage him by passing negative comments Instead, encourage your child by saying things like, 'Maths was difficult for me too but I practiced a lot after getting guidance from my teacher.’ Today, there are so many good resources online, fun activities and videos, which can help get better at the subject'.

Last, but certainly not the least, a teacher’s attitude towards mathematics can have a huge influence. we teachers can demonstrate a love of reading textbook when it comes to maths literacy, we must show a love of maths. Teachers are instrumental in creating positive and active learning environments, such as by incorporating maths puzzles,games,Art Integrated Lerning and interesting Projects.Teachers can encourage a healthy relationship between Maths and the learners’ Mathematics is not about numbers, equations, computations, or algorithms: it is about understanding. –William Paul Thurston

संस्कृत विभाग | SANSKRIT DEPARTMENT

वञ्चकः बकः

कुत्रचित् अरण्यत्त् प्रदेशे एकः सरोवरः आसीत्। तत्र बहवः जलचराः आसन्।
कश्चन बकः अपि तत्र बहुकालतः वसति स्म। कालान्तरे सः बकः वृद्धः अभवत्।
वार्धक्यकारणतः सः मत्स्यान् ग्रहीतुम् अपि असमर्थः अभवत्। 'इदानीं कथम् आहारः सम्पादनीयः? ' इति चिन्तयन् सः एकम् उपायम् अन्विष्टवान्।
सरोवरस्य तीरे स्थित्वा अश्रूणि मुञ्चन् सः रोदनम् आरब्धवान्। तदा कश्चन कर्कटकः तस्य समीपम् आगत्य पृष्टवान्:-
' महात्मन्! किमर्थं भवान् रोदनं करोति? ' इति।
तदा बकः उक्तवान्:- " अद्य दैवज्ञमुखतः अहम् एकां दुर्वाता श्रुतवान् – ' इतः परं द्वादशवर्षपर्यन्तम् अत्र अनावृष्टिः भविष्यति ' इति।
अस्माकं सरोवरे किञ्चिदेव जलम् अस्ति। शीघ्रमेव तदपि शुष्कं भविष्यति।
तदा मम बान्धवाः भवन्तः सर्वे अपि मृताः भविष्यन्ति किल इति मम अतीव दुःखम् " इति।
तत् श्रुत्वा कर्कटकः तां वार्ताम् अन्यजलचरान् निवेदितवान्। ते सर्वे अपि भीताः सन्तः बकस्य समीपम् आगतवन्तः।
" महात्मन्! अस्माकं प्राणरक्षणार्थं कोऽपि उपायः अस्ति किम्? ' इति।
तदा बकः उक्तवान् – " इतः किञ्चिद्दूरे अन्यः कश्चन सरोवरः विनयेन तं पृष्टवन्तः अस्ति।
तत्र प्रभूतं जलम् अस्ति। तत् कदापि शुष्कं न भविष्यति। यदि भवन्तः मम पृष्ठम् आरोहन्ति तर्हि अहं भवतः सर्वान् तत्र नयामि " इति।
तदा ते जलचराः महता उत्साहेन तं परितः स्थितवन्तः। बकः तान् पृष्ठे आरोप्य ततः प्रस्थितवान्।
किञ्चिद्दूरे एका शिला आसीत्। तत्र तान् स्थापयित्वा सः सन्तोषेण खादितवान्।
एवमेव सः बहून् जलचरान् खादितवान्। एकस्मिन् दिने कर्कटकः उक्तवान्: –
" महात्मन्! अद्य मां नयतु ' इति। ' अस्तु, अद्य कर्कटकस्य मांसं खादामि ' इति चिन्तयित्वा बकः तं पृष्ठे आरोपितवान्, वध्यशिलां प्रति गतवान् च।
कर्कटकः दूरादेव शिलायां पतितानि अस्थीनि दृष्ट्वा बकस्य दुरालोचनां ज्ञातवान्।
अतः सः स्वदन्तद्वयेन बकस्य कण्ठं दृढं गृहीतवान्। वेदनया रोदनं कुर्वन् सः वञ्चकः बकः मृतः।
नाम - हरदीप मलिक, कक्षा – अष्टम

एहि एहि वीर रे

एहि एहि वीर रे

वीरतां विधेहि रे
पदं हदं निधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवनं प्रदेहि रे।।
त्वं हि मार्गदर्शक:
त्वं हि देशरक्षक:
त्वं हि शत्रुनाशक:
कालनाग तक्षक:।।
साहसी सदा भवे:
वीरतां सदा भजे:

भारतीय-संस्कृतिं
मानसे सदा धरेः।।
पदं पदं मिलच्चलेत्
सोत्साहं मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
जयो भवेत्
नाम - हार्दिक सैनी कक्षा – दशम

अद्भुत् स्वप्न?

राजीवस्य अद्भुत् स्वप्नम्
सिंहो वदति म्याऊँ-म्याऊँ।
हस्ती धावति यथा चित्रकः
सर्पः वदति भौं-भौं भाऊं।
भल्लूकः दुर्बलः तथा यत्
यथा चमरपुच्छा संजातः।
मूषकभीता धावति मार्जारी
शशकः धावति शृंगयुतः।
नाम - आरुषि, कक्षा – सप्तम

देशभक्तिः

यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्मः स हि अस्माकं देशः जन्मभूमिः वा भवति। जननी इव जन्मभूमिः पूज्या आदरणीया च भवति। अस्याः यशः सर्वेषां देशवसिनां यशः भवति। अस्याः गौरवेण एव देशवसिनां गौरवम् भवति। ये जनाः स्वाभ्युदयार्थं देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमाः सन्ति। देशभक्तिः सर्वासु भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते। अनया एव देशस्य स्वतंत्रतायाः रक्षा भवति। अनया एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंघः, चन्द्रशेखर आजाद प्रभृतयः आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन्। झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसरि, शिववीरः च प्रमुखाः देशभक्ताः अस्माकं देश जाता। देशभक्तिः व्यक्ति-समाज -देशकल्याणार्थाय परमम् औषधम् अस्ति।

नाम - सक्षम कक्षा – सप्तम

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः लभते इह सम्मानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः करोति देशानाम् निर्माणम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यं कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यस्य छायायाः प्राप्तम ज्ञानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शतं शतं प्रणामः ॥
नाम - हार्दिक सैनी, कक्षा – दशम

संस्कृतम्

कालिदासो जने जने

कण्ठे कण्ठे संस्कृतम् ॥
ग्रामे ग्रामे नगरे नगरे
गेहे गेहे संस्कृतम् ॥
मुनिजनवाणी कविजनवाणी
बुधजनवाणी संस्कृतम् ॥
सरला भाषा मधुरा भाषा
दिव्या भाषा संस्कृतम् ॥
मुनिजनवाञ्छा कविजनवाञ्छा
बुधजनवाञ्छा संस्कृतम् ॥
जने जने रामायण चरितम्
प्रियजनभाषा संस्कृतम् ॥
स्थाने स्थाने भारतदेशे
सदने सदने संस्कृतम् ॥
सन्तोष रानी
संस्कृत शिक्षिका

विद्यालय की गतिविधियाँ | SCHOOL ACTIVITIES

अलंकरण समारोह

Panchkula, Haryana, India
Shimlipur, Haryana, India
Panchkula, Haryana, India
Eco Clubs for Mission LiFE
GPS Map Came
Google
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633223° Long 76.91735°
05/06/2025 11:52 AM GMT +05:30

बाल दिवस

Judo

DEV GURUKUL
WELCOMES YOU

स्वच्छता पखवाड़ा

Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc, Bhanu, Panchkula,
134103, India
Lat 30.633129° Long 76.917737°
26/09/2025 09:19 AM GMT +05:30

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय
स्वच्छता पखवाड़ा
Panchkula, Haryana, India

Panchkula, Haryana, India

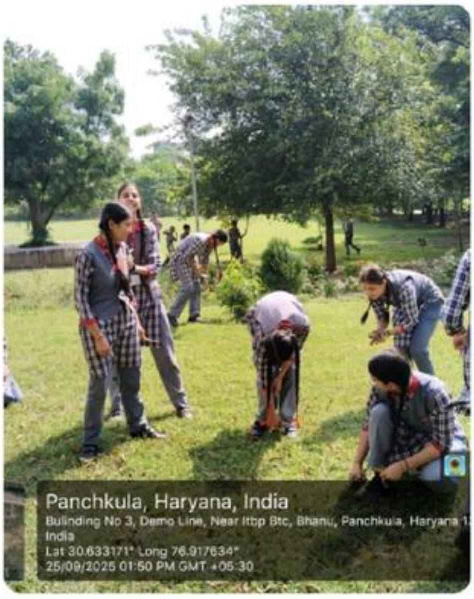
Panchkula, Haryana, India
Lat 30.633171° Long 76.917634°
25/09/2025 01:50 PM GMT +05:30

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय
स्वच्छता पखवाड़ा

कलाउत्सव

शिक्षक दिवस

जन्माष्टमी उत्सव

स्वतन्त्रता दिवस

वन्दे मातरम्

SHRI KENDRIYA VIDY
B.P. BHANU,DISTT-PAN

हर घर
तिरंगा
chkula, Haryana, India
2025 08:17 AM GMT +05:30

REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA
15/08/2025

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA
RANGARH DISTT.-PANCHKULA
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय
हर घर
तिरंगा

स्वास्थ्य जांच

SUGARBOARD
WHAT ARE YOU CONSUMING?
Kartavya Path

WAR HEROES
SUGARBOARD

GPS Map Camera
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633151° Long 76.917828°
30/06/2025 12:55 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633066° Long 76.917816°
30/06/2025 12:51 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633007° Long 76.917663°
30/06/2025 12:39 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633054° Long 76.917759°
30/06/2025 12:56 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Panchkula, Haryana, India
Bulinding No 3, Demo Line, Near Itbp Btc,
Bhanu, Panchkula, Haryana 134116, India
Lat 30.633272° Long 76.917739°
30/06/2025 12:54 PM GMT +05:30
Google

PM SHRI KEN
I.T.B.P. BHANU

Save Water
Save Life

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भा.ति.सी.पु
भानू
पुस्तकोपहार

#PunjabiSikho
आपने मुझे बुलाया।
तुसीं मैनू बलाया।

चेरियाल लोक कला
आरुषि

चेरियाल लोक कला
आरुषि

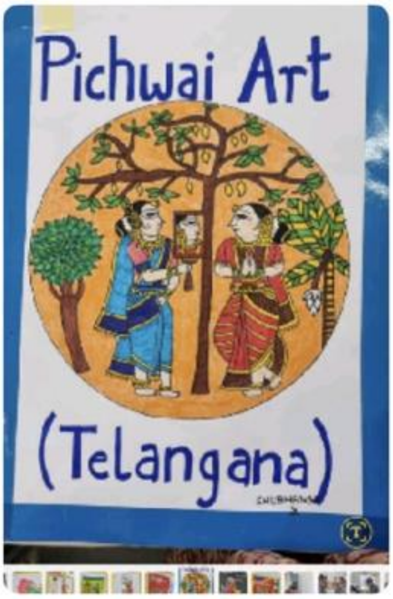
Pichwai Art
(Telangana)

Cheriyal ART

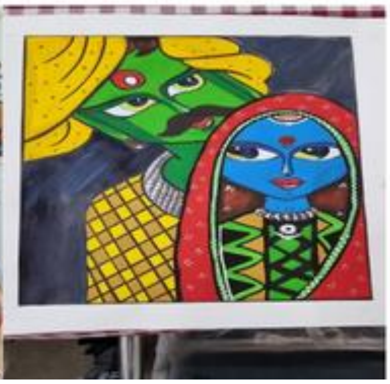

धन्यवाद

Thank You

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA ITBP BHANU